सेखावाटी

म पढबो अर लिखबो:
काह्णी की पेली पोथी

सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: काह्णी की पेली पोथी
(Reading and Writing in Shekhawati: Story Book-1)

छपने का वर्ष: 2019

छपी पुस्तकों की संख्या: 200

© निर्माण सोसायटी

द्वारा तैयार

कमलेश रोयल, विक्रम सिंह, रतन लाल योगी, सुरेश कुमार,
मनीष कुमार, अमरचन्द रोयल

द्वारा मदत

मैरी शैला डिसौज़ा, मुकेश कुमार योगी, पुरणमल बैरवा

चित्रकार

मुकेश कुमार बैरवा, महेन्द्र बारुपाल

टाइपसेटिंग

रतन लाल योगी

प्रकाशक

निर्माण सोसायटी
वार्ड नं.-6, खत्री कॉलोनी,
आथूना मोहल्ला, नवलगढ़, झुन्झुनू, राजस्थान 333042
Ph. 01594-223776
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन:प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

ओळखाण

सरू म पढबा की पोथियां कै सागै-सागै काह्णी की पोथी नै बी पढणी चाये। इमै अंय्या की काह्णी है जखी म पाठां का खास सबद है। जखा सरू की पोथियां म सीखाया गया है।

काह्णियां की पोथी नै पेली कंय्या पढी जा'गी, मतबल पेली सीढी जखी सरू म पढबा की पोथियां सै पेली सीखबाळा नै दूसरी सीढी पै सीखायो जा है। पढबाळो काह्णियां नै पढबाळा क्ले पढसी। काह्णियां की पोथी नै ईक्ले पढी जासी कि सीखबाळा नै जखो के पढायो जार्यो है, बिको मतबल सीखाणा म अर पढबा-लिखबा म मन लगायो जा सकै। सरू की पोथियां नै सीखाणा सूं पेली आ बात पाकी करी जा है कि खास सबद पाठां सै मिलबाळा होवै।

ई पोथी म मन, रहण-सहण, धारा अर हांसी-मजाक आळी काह्णियां को भंडार है। सगळी काह्णियां का चितर बी दिया है। जिमै काह्णियां कै बारै म दिखायो गयो है। ईको इरादो ओ है कि जखो बी पढायो जा है, बिको मतबल बतायो जा सकै अर जद पढबाळा सरू म पढबो सरू कर्यो जणा पढबाळा की सफलता पै बानै ओर बी पढाबा क्ले बांकी मनस्या नै जगाई जा सकै।

पाठ–1

कमर म दरद

कमर **रकम** **अरक**

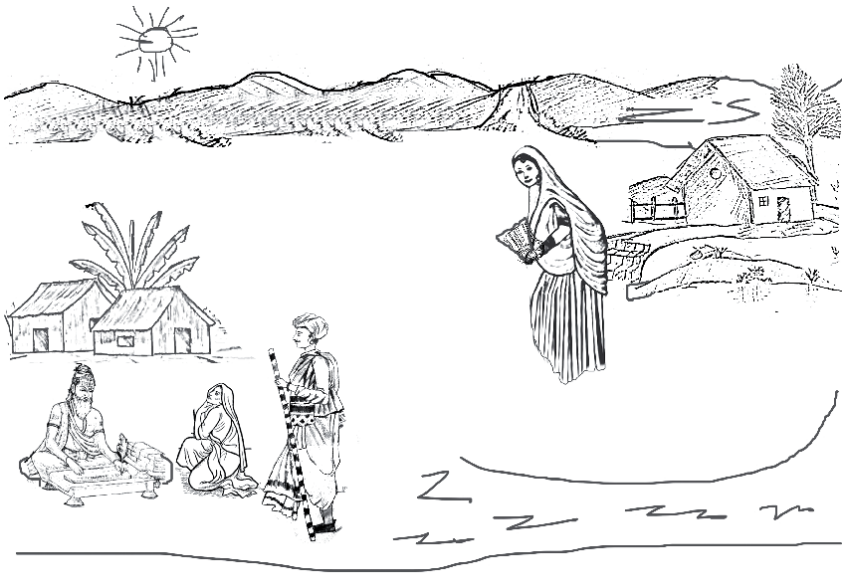

मां कै **अरक** देती बखत **कमर** म दरद आग्यो जणा मै मां नै बैद कन दिखाबा लेग्यो। बैद **रकम** ले'र मां नै **कमर** की दुवाई देदी। बैद कन सूं **रकम** की उरकी ले'र मै अर मां घरां आग्या। घरां आ'र मै मां नै **कमर** कै दरद की दुवाई दी जणा मां कै दरद म अराम आयो। मां मनै दरद की दुवाई की **रकम** पूछी। **कमर** कै दरद म अराम आबा सूं मां **अरक** दियो। **अरक** देबा सूं मां को बरत पूरो होयो।

पाठ–2

नार को डर

कान **नार** **आम**

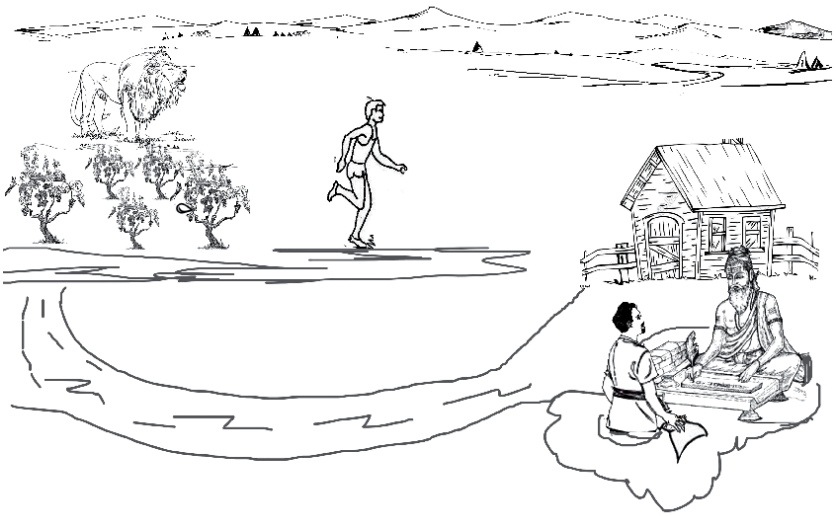

बाग म एक **नार** हो। बी बाग म एक मिनख **आम** खाबा क्ले गयो। **आम** कै दरखत कन **नार** हो। **आम** तोड़ती बखत बी मिनख नै **नार** दिख्यो। **नार** कै डर सूं बो मिनख भाज्यो जणा बो पड़ग्यो अर बिकै **कान** कै लागी। **कान** म लोई आबा सूं बिकै **कान** म दरद होयो। मिनख बैद कन गयो अर बैद बी मिनख कै **कान** कै दुवाई लगाई। बो मिनख **नार** कै डर सूं ओजूं **आम** तोड़बा कोनी गयो।

पाठ–3

इनाम को चक्कर

किमा बिनारी इनाम

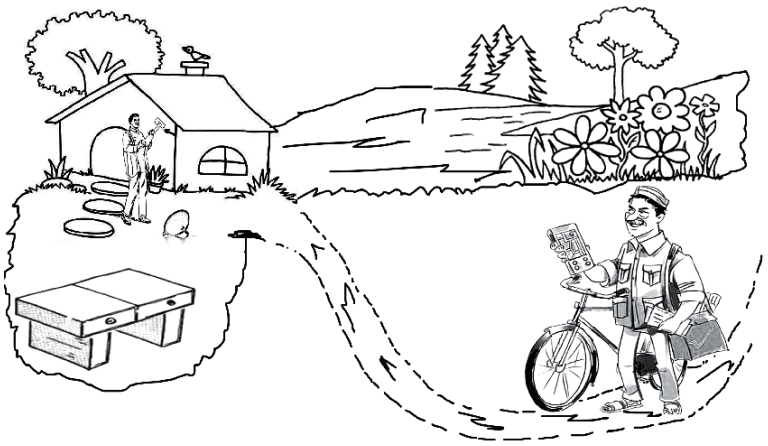

एक मिनख **किमा** नै लटकाण क्ले डोळी कै मांय **बिनारी** ठोकी। ठोकबा सूं बा **बिनारी** मुड़गी। बी **बिनारी** नै फेर सीदी कर'र ठोकी। अत्यानै डाकियो **इनाम** ले'र आयो। **इनाम** लेबा कै चक्कर म तावळो चाल्यो। तावळो चालबा सूं पग **किमा** पै टिकग्यो। पग टिकबा सूं **किमो** टूटग्यो। बो डाकिया कनैऊं **इनाम** ले'र एकानी म्हेल दी अर टुटेड़ा **किमा** नै बारै बगा दियो।

पाठ–4

कीकर की रई

कीकर **मीरा** **रई**

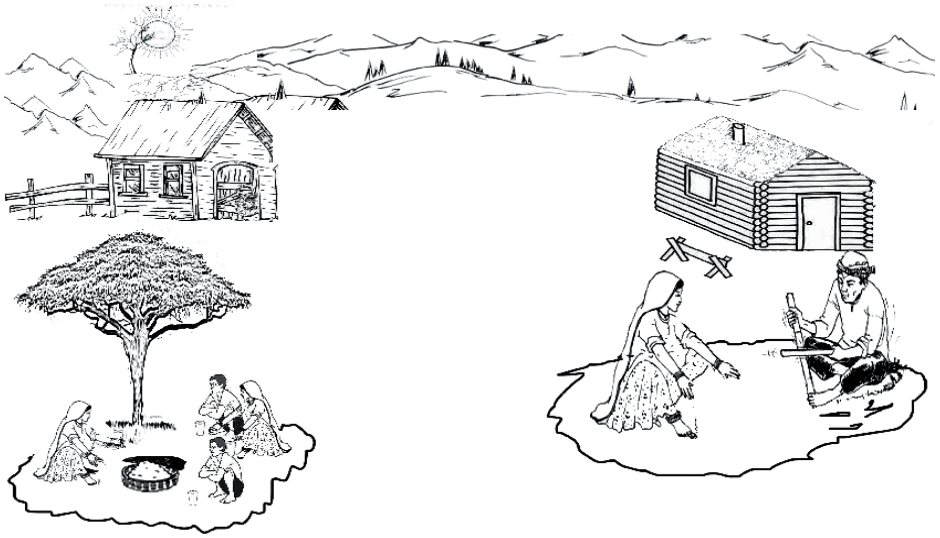

कीकर की लकड़ीऊं **मीरा** रई बणवाई। **मीरा** **कीकर** कै तळै बेठ'र छाय बणावै ही अत्यानै **रई** टूटगी। **मीरा** **रई** नै ले'र खातोड़ कन गई। खातोड़ **कीकर** की **रई** नै जचादी। **मीरा** **रई** नै ले'र ओटी आई अर **कीकर** कै तळै बेठ'र छाय बिलोबा लागी। फेर छाय बिलोबा कै पाछै सगळा जणा **कीकर** कै तळै बेठ'र छाय पी।

पाठ–5

कुरब की दुवाई

कुरब **तुमा** **उरकी**

एकर **कुरब** मिनख दुवाई लेबा क्ले बेद कन गयो। **कुरब** आळा मिनख नै बेद **तुमा** की दुवाई बणा'र दी। बेद बिनै रिपिया की **उरकी** बणा'र देदी। बो **कुरब** मिनख बी **तुमा** की दुवाई अर **उरकी** नै ले'र घरां आर्‌यो जणा बिनै गेला म एक पाणी की तुरी चालती दिखी, बो सोच्यो कि मै अठैई **तुमा** की दुवाई लेल्यूं। बो पाणी पीबा क्ले जंय्या ई झुक्यो तो बिसूं **कुरब** की बजै सूं झुक्यो कोनी गयो अर **तुमा** कै दुवाई की **उरकी** पाणी म पड़गी। बो **कुरब** मिनख आली **उरकी** अर **तुमा** की दुवाई नै घरां लिहायो।

पाठ–6

दूब म कूकरी

कूकरी **दूब** **ऊन**

एक दिन लालो **ऊन** का गाबा पेर‘र **दूब** काटर्‌यो हो जणा लाला नै **ऊन** कै गाबा म गरमी लागी। लालो **ऊन** का गाबा काड’र देख्यो जणा **कूकरी दूब** नै खिंडाबा लागरी ही। लालो **कूकरी** कै भाठा की दी पण **कूकरी** कै लागी कोनी अर **कूकरी** भाजगी। लालो ओजूं **ऊन** का गाबा पेर **दूब** काटबा लाग्यो।

पाठ–7

जेबी फाटगी

केरी **जेबी** **एक**

एक गांमगै बारलै नाकै **एक केरी** को बाग हो। बी बाग म **एक** मिनख **केरी** लेबा क्ले **एक** दरखत कन गयो। दरखत की **केरी** तोड़'र **जेबी** म घाली। **केरी** बडी होबा सूं **जेबी** म नावड़ी कोनी जिसूं **जेबी** फाटगी। बी मिनख कै चोळ्या कै **एक** ई **जेबी** ही जणा बो **केरी** नै हात म ले'र घरां आयो अर चोळ्या की **जेबी** कै टांको लगायो जणा **जेबी** सई होगी। **जेबी** सई होणा सूं मिनख राजी होग्यो अर बी **एक केरी** को ई साग बणायो।

पाठ–8

कैर म आळो

कैर **मैना** **ऐरो**

एक जोड़ा कै मांय **कैर** को दरखत हो। **कैर** कै दरखत पै एक **मैना** रह्या करती अर **कैर** कै दरखत कै तळै **ऐरो** घास खड़्यो हो। **मैना** **ऐरो** घास लेज्या'र आळो बणा लियो। **ऐरा** घास सूं **मैना** को आळो **कैर** पै चोखो बण्यो। **मैना** आपगै बचिया नै जलम दिया। **मैना** का बचिया बी **कैर** अर **ऐरा** घास म खेल'र बडा होग्या। **मैना** का बचिया आपैई **कैर** कै तळै **ऐरा** घास मांय दाणा चुगै लाग्या।

पाठ–9

सो रिपियां की कोर

कोर **सो** **ओक**

एकर एक लुगाई चाळकै क्ले **सो** रिपियां की **कोर** ल्याई। बी **कोर** नै घरां ल्या'र म्हेल दी अर पाछै लोटा सूं **ओक** कर पाणी पीयो। बो पाणी **ओक** म सूं तळै पड़ै हो, जिसूं बा **कोर** भीजगी। बा **ओक** नै छोड'र **सो** रिपियां की **कोर** ठाई अर **सो** रिपियां की **कोर** नै दूसरी लुगाई नै दे दी।

पाठ–10

गंजी कै टांको

कंगो **गंजी** **अंगूर**

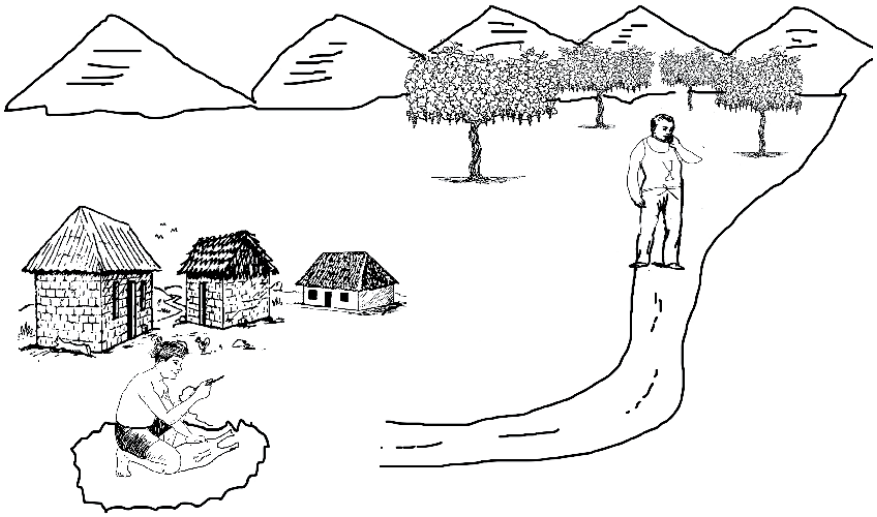

एक मिनख बाळां कै **कंगो** कर'र अर **गंजी** पेरकी बाग म **अंगूर** ल्याबो गयो। **बाग** म **अंगूर** तोड़बा क्ले दरखत पै चढ्यो जणा **गंजी** फाटगी अर **कंगो** करेड़ा बाळ भुजणग्या, जिसूं बो **अंगूर** तोड़्या बना घरां आग्यो। घरां आया पाछै बो **गंजी** कै टांको लगायो। बो **गंजी** पेरकी **कंगा** सूं बाळ बाया अर फेर ओजूं बाग म **अंगूर** ल्याबो गयो। **अंगूर** ल्यायो जणा सगळा घरका राजी हो'र खाया।

पाठ–11

यग म भिझोग

यग **पग** **बाण**

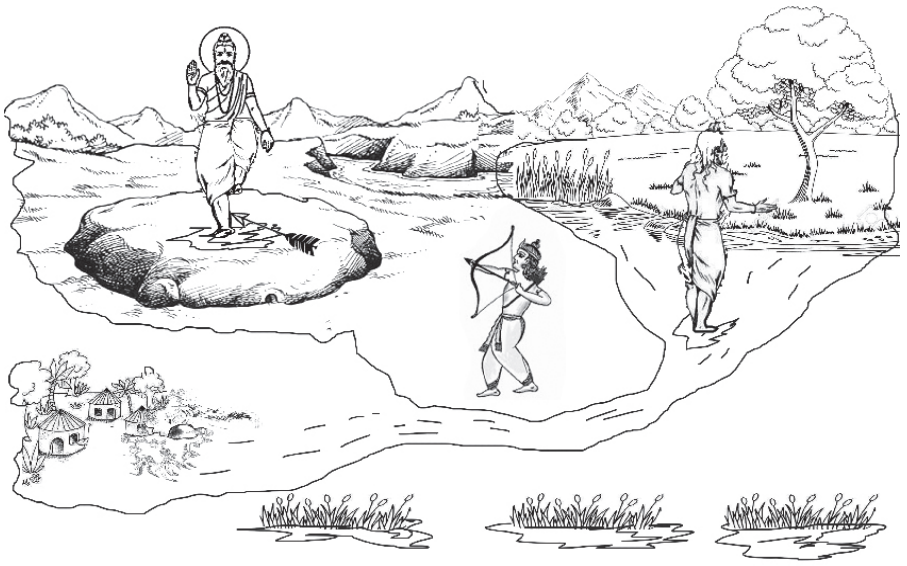

यग करबा कै खातर एक मोडो जंगल म गयो। एक **पग** पै खड़्यो हो'र **यग** करबा लाग्यो। कई बरसां तांई बो एक **पग** पै खड़्यो रह्यो जणा एक राकस आयो अर **यग** म भिझोग गेरबा क्ले मोडै कै **पग** पै **बाण** चलाई। **बाण** की **पग** पै कोन्या लागी जणा राकस **बाण** ओजूं चलाई। बा **बाण** मोडै कै **पग** पै लागी। **बाण पग** पै लागबा सूं मोडै कै **यग** म भिझोग पड़ग्यो।

पाठ–12

चमची म लसण

नाळ **चमची** **लसण**

एकर एक लुगाई हात कै **नाळ** बान्या **लसण** छोलरी ही। **लसण** छोलती बखत बी लुगाई को **नाळ** खुलग्यो। खुलेड़ै **नाळ** नै बान'र छोलेड़ै **लसण** नै **चमची** म घाल'र एकानी म्हेल दियो अर **चमची** सूं साग नै रोड़बा कै पाछै **चमची** आळा **लसण** नै साग म गेर दियो। जिसूं साग सुवाद बण्यो अर सगळा घरकां **लसण** गेरड़ा साग नै सरायो।

पाठ–13

टमाटर को खेत

हळ **नाव** **टमाटर**

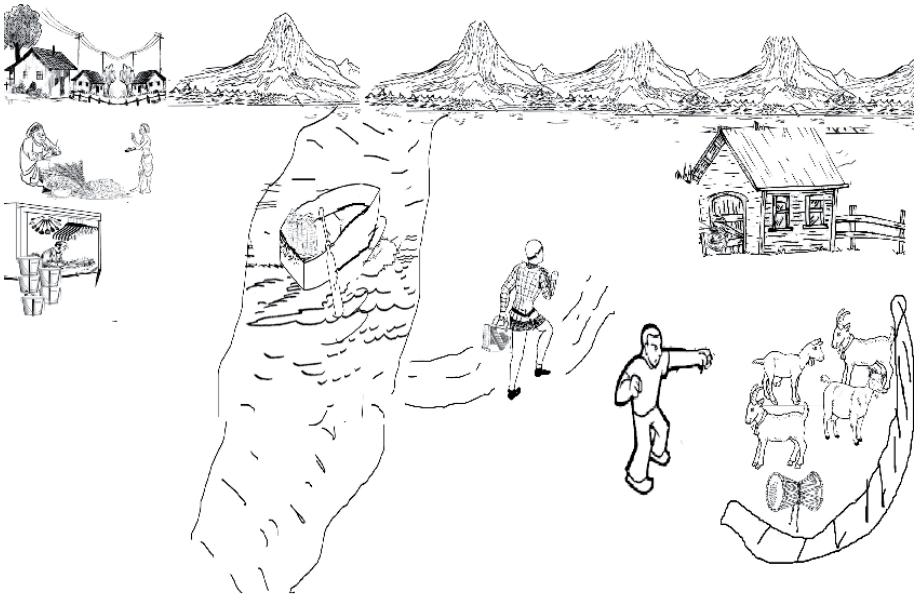

एक खेतीखड़ को खेत ननी कै परलै नाकै हो। एक दिन खेतीखड़ **हळ** नै **नाव** म म्हेल'र आपगै खेत म आयो। **हळ** सूं **टमाटर** का बीज गेर्‌या। **हळ** की हळाई चोखी लागबा सूं **टमाटर** बोळा होया जणा **टमाटरा** नै **नाव** म म्हेल'र मंडी म ल्यायो। **टमाटर** बेचबा सूं खेतीखड़ बोळा रिपिया कमाया अर एक नुई **नाव** खरीदी।